डिजिटल लेनदेन को जाना

जिला मुख्यालय पर साक्षरता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

अमर उजाला ब्यूरो

चंदौली।

डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम के तहत मंगलवार को जिला मुख्यालय पर फ्यूजन माइक्रो फाइनेंस कम्पनी ने ग्रामीण महिलाओं को डिजिटल लेन-देन की जानकारी देकर जागरूक किया।

इस दौरान महिलाओं को प्रोजेक्टर के माध्यम से डिजिटल लेन-देन के तरीकों को विस्तारपूर्वक बताया गया। इसके लिए महिलाओं को एटीएम कार्ड के इस्तेमाल की भी जानकारी दी गई। साथ ही यह बताया गया कि वे एटीएम का इस्तेमाल करने वक्त किन-किन सावधानियों को बरतें।

इस मौके पर डीडीएम नाबार्ड हीरालाल ने कहा कि डिजिटल साक्षरता में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ऐसे कार्यक्रम का आयोजन जरूरी है।

एटीएम का इस्तेमाल करने में बरते हर तरह की सावधानी

समय-समय पर ग्रामीण अंचल में रहने वाली महिलाओं को डिजिटल लेन-देन के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए, तभी वह इसका इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित होंगी। कहा कि डिजिटल साक्षरता के तहत महिलाओं को पैसे के लेन-देन, मोबाइल एप के जरिए भुगतान व यूपीआई, यूएसएसडी के उपयोग के बारे में बताया जा रहा है।

इसके पीछे मंशा यह है कि महिलाएं भी इन तरीकों की बारीकियों को जाने और इस सुविधा का लाभ उठाएं। ग्रामीण महिलाएं मार्केट में खरीदारी करते वक्त नकद लेन-देन करती हैं। शुरुआत में थोड़ी सावधानी रखकर इस पूरी प्रक्रिया को आसानी से समझा जा सकता है। इसलिए इन्हें डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम से जोड़ा जा रहा है। यह अभियान लगातार चलाया जा रहा है।

इस मौके पर पंकज कुमार, सुनील यम, राजेश कुमार उपाध्याय, संजय कुमार, अभयकुमार सिंह आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मुख्य वन संरक्षक ने काशी वन्य जीव प्रभाग के चकिया, चन्द्रप्रभा, राजगढ़, नौगढ़, मझगावां और जयमोहनी रेंजो में जुलाई माह में कराए जाने वाले पौधरोपण के लिए हो रहे स्वायल वर्क एवं पौधशाला में पौधों की तैयारी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने डीएफओ गोपाल ओझा को वृक्षारोपण की अग्रिम तैयारी पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। वहीं उन्होंने चंद्रप्रभा वन्य जीव विहार में चकिया-नौगढ़ मार्ग के दोनों किनारों पर लगे ब्रिक गार्ड एवं उनमें लगे पौधों का भी निरीक्षण किया। ब्रिक गार्डों में सूखे पौधों की जगह तत्काल नए पौधों को लगाने के निर्देश भी दिया। इस दौरान चकिया रेंजर नन्दलाल कुशवाहा, चन्द्रप्रभा रेंजर रविशंकर शुक्ल, राजगढ़ रेंजर रामशंकर यादव, नौगढ़ रेंजर जानकीशरण श्रीवास्तव, मझगावां रेंजर विजेन्द्र, जयमोहनी रेंजर नरेन्द्र राय सहित तमाम वनकर्मी मौजूद थे।